मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 302
सोमवार, 26 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास और शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 25 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि माओवाद के खिलाफ सामूहिक लड़ाई के परिणाम सामने आ रहे हैं और इससे प्रभावित रह चुके क्षेत्रों में विकास एवं शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है।

मोदी ने अपने मासिक मन की बात रेडियो कार्यक्रम में कहा कि पहले माओवादी हिंसा की चपेट में रहे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में काटेझरी जैसे दूरदराज के गांवों में अब बस सेवा और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं संभव हो गई हैं। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के काटेझरी गांव का जिक्र करते हुए कहा, बस से यात्रा करना आम बात है लेकिन मैं आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताना चाहता हूं, जहां पहली बार बस आई। वहां के लोग इस दिन का वर्षों से इंतजार कर रहे थे और जब पहली बार गांव में बस आई, तो लोगों ने ढोल-नगाड़े बजाकर उसका स्वागत किया।

उन्होंने छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा क्षेत्रों में विज्ञान प्रयोगशालाओं जैसी शैक्षणिक सुविधाओं के प्रसार का भी उदाहरण दिया। मोदी ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम शानदार रहे।उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा जिला 95 प्रतिशत परिणामों के साथ 10वीं कक्षा की परीक्षा में छत्तीसगढ़ में शीर्ष स्थान पर रहा और इसने 12वीं कक्षा की परीक्षा में राज्य में छठा स्थान प्राप्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात की पिछली कड़ी में उन्होंने बस्तर ओलंपिक और माओवाद प्रभावित जिलों में विज्ञान प्रयोगशालाओं की सफलता पर चर्चा की थी।

मोदी ने कहा, यहां के बच्चे विज्ञान के प्रति जुनूनी हैं और खेलों में कमाल कर रहे हैं। ये प्रयास हमें बताते हैं कि इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग साहसी हैं। कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने ऐसा रास्ता चुना है जो उनके जीवन को बेहतर बनाता है। सरकार ने कहा है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुकी है और उसने अगले साल 31 मार्च तक इस खतरे को खत्म करने का संकल्प व्यक्त किया है।

दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे नौ बांग्लादेशियों को पकड़ा

नई दिल्ली, 25 मई। अवैध बांग्लादेशियों के बारे में सूचना मिलने पर, पुलिस की एक टीम ने 23 मई को वजीरपुर जेजे कॉलोनी में निगरानी और सत्यापन अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप ऐसे ही एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि उससे पूछताछ में पुलिस को उसी परिवार के एक नवजात सहित आठ अन्य बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ने में मदद मिली, जो वैध दस्तावेजों के बिना भारत में रह रहे थे। उन्हें उत्तर-पश्चिम दिल्ली के भारत नगर इलाके से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि उनके पास से एक स्मार्टफोन जब्त किया गया है, जिसमें प्रतिबंधित वीडियो कॉल और चैटिंग ऐप था। उन्होंने बताया कि इसका इस्तेमाल परिवार बांग्लादेश में अपने रिश्तेदारों से बात करने के लिए करता था।

पूछताछ के दौरान परिवार ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते अवैध रूप से देश में घुसे थे।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने शुरू में भारतीय नागरिकता का दावा किया, लेकिन वे बांग्लादेश के कुरीग्राम जिले के निकले। पकड़े गए बांग्लादेशियों में एक 45 दिन का शिशु भी शामिल है। सभी को निर्वासन कार्यवाही के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि इस तरह की घुसपैठ को सुविधाजनक बनाने वाले और स्थानीय स्तर पर सहायता करने वालों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

उत्तर प्रदेश विकसित भारत लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है : आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि राज्य 2047 तक विकसित भारत बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आदित्यनाथ ने नयी दिल्ली में भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में नयी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक में सहभाग कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा, बैठक में विकसित भारत 2047 के लिए विकसित राज्य विषय पर गहन विचार-विमर्श हुआ। आदित्यनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री के यशस्वी मार्गदर्शन में विकसित भारत-विकसित राज्य के पुनीत लक्ष्य की सिद्धि में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश टीम इंडिया के महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

ईडी के आरोपपत्र में नाम आने के बाद बीआरएस ने रेवंत रेड्डी का इस्तीफा मांगा

तेलंगाना। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का नाम आरोपपत्र में शामिल किए जाने के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने शनिवार को उनके (रेड्डी के) इस्तीफे की मांग की।

संवाददाताओं को संबोधित करते हुए रामा राव ने दावा किया कि ईडी द्वारा अपने आरोपपत्र में मुख्यमंत्री का नाम शामिल करने से राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के सम्मान को ठेस पहुंची है।

पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के बेटे रामा राव ने कहा, हम मांग करते हैं कि रेवंत रेड्डी स्वेच्छा से इस्तीफा दें या कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहे।उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा, राहुल गांधी क्यों कुछ नहीं कह रहे? आपके साथ-साथ आपके एक मुख्यमंत्री का नाम भी आरोपपत्र में दर्ज है।

राइजिंग नॉर्थ ईस्ट निवेशक सम्मेलन में 4.18 लाख करोड़ रुपये के करार की घोषणा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 25 मई। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि दिल्ली में चल रहे राइजिंग नॉर्थ ईस्ट निवेशक सम्मेलन 2025 में 4.18 लाख करोड़ रुपये के करार की घोषणा की गई। इस सम्मेलन का उद्घाटन शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।

इसका उद्देश्य इस क्षेत्र को अवसरों की भूमि के रूप में स्थापित करना, वैश्विक और घरेलू निवेश को आकर्षित करना और प्रमुख हितधारकों, निवेशकों तथा नीति निमार्ताओं को एक मंच पर लाना है। सिंधिया ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया, पहली बार पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के लिए एक संयुक्त कार्यक्रम चल रहा है। इसके लिए बेंगलुरु, मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और इंदौर जैसे शहरों में रोड शो आयोजित किए गए। विभिन्न औद्योगिक समूहों के साथ बैठकें की गईं। उन्होंने आगे कहा, इस प्रयास के परिणामस्वरूप, एक विश्व स्तरीय निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान 4.18 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों की घोषणा की गई है।

उन्होंने कहा, प्रत्येक राज्य को 20,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। औद्योगिक समूह के मुखियाओं के साथ, आठ राज्यों के नए उद्यमियों और 50 देशों के राजदूतों ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि निवेश प्रोत्साहन के मुख्य फोकस क्षेत्रों में पर्यटन और आतिथ्य, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, हथकरघा और हस्तशिल्प, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

लालू प्रासाद यादव ने बेटे तेज प्रताप को राजद से 6 साल के लिए निकाला

पटना, 25 मई। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संरक्षक लालू प्रसाद यादव ने एक चौंकाने वाले फैसले में अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। लालू ने इस कठोर निर्णय के पीछे तेज प्रताप के गैर-जिम्मेदाराना आचरण और पारिवारिक मूल्यों तथा सार्वजनिक शिष्टाचार से विचलन को मुख्य कारण बताया। यह निष्कासन ऐसे समय में आया है जब हाल ही में तेज प्रताप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अनुष्का यादव नामक लड़की के साथ 12 साल के रिश्ते में होने का दावा किया था। हालांकि, उस पोस्ट को तुरंत हटा दिया गया और बाद में तेज प्रताप ने एक अन्य पोस्ट में यह दावा किया कि उनका अकाउंट हैक हो गया था। इस घटनाक्रम ने पार्टी और परिवार दोनों के भीतर हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में इस कदम की घोषणा करते हुए, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूँ। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है।'उन्होंने आगे लिखा, 'अपने निजी जीवन का भला -बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है।

उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूँ। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है।'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार तेज प्रताप यादव ने शनिवार को एक लड़की के साथ फेसबुक पर एक तस्वीर साझा कर दावा किया था कि वह पिछले 12 सालों से उसके साथ रिश्ते में हैं, और काफी समय से वह यह बात सार्वजनिक करना चाहते थे। हालांकि, उन्होंने जल्द ही उस पोस्ट को हटा दिया। कुछ देर बाद, उन्होंने उसी कैप्शन के साथ दोबारा तस्वीर साझा की और अपने रिश्ते में होने की बात दोहराई।

भारत की सुरक्षा नीति अब आत्मनिर्भर और निर्णायक है: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जब बीएसएफ के 18वें अलंकरण समारोह और प्रतिष्ठित रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में आए तो वह दृश्य केवल एक समारोह नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा चेतना का उद्घोष बन गया। यह कोई साधारण उपस्थिति नहीं थी। यह उस दूरदर्शी रणनीतिकार का आगमन था जो नीतियों को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें रणनीतिक अस्त्रों में परिवर्तित करता है। भारत के सुरक्षा-शिल्पकार, लौह-संकल्प के धनी अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब प्रतिक्रिया नहीं बल्कि प्रतिकार करता है।

भारतीय राष्ट्रवाद को नई आँखों से देखिए!

-ललित गर्ग

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है।

देश में इन दिनों राष्ट्रवाद चर्चा और बहस के केंद्र में है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम भारतीय राष्ट्रवाद पर एक नई दृष्टि से सोचें और जानें कि आखिर भारतीय भावबोध का राष्ट्रवाद क्या है? राष्ट्र सामान्य तौर पर सिर्फ भौगोलिक नहीं बल्कि ह्यभूगोल-संस्कृति-लोग के तीन तत्वों से बनने वाली इकाई है। इन तीन तत्वों से बने राष्ट्र में आखिर सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन सा है? जाहिर तौर पर वह लोग ही होगें। इसलिए लोगों की बेहतरी, भलाई, मानवता का स्पंदन ही किसी राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख तत्व होना चाहिए।

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है। यही वैश्विक अचेतन (कलेक्टिव अनकांशेसनेस) हम-सबके एक होने का कारण है। स्वामी विवेकानंद इसी बात को कहते थे कि इस अर्थ में भारत एक जड़ भौगोलिक इकाई नहीं है। बल्कि वह एक चेतन भौगोलिक इकाई है जो सीमाओं और सैन्य बलों पर ही केंद्रित नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद मनुष्य के विस्तार व विकास पर केंद्रित है। जिसे भारत ने ह्यवसुधैव कुटुम्बकम कहकर संबोधित किया। यह वसुधैव कुटुम्बकम राजनीतिक सत्ता का उच्चार नहीं है। उपनिषद् का उच्चार है। सारी दुनिया के लोग एक परिवार, एक कुटुम्ब के हैं, इसे समझना ही दरअसल भारतीय राष्ट्रवाद को समझना है। यह राष्ट्रवाद मनुष्य की सांस्कृतिक एकता के विस्तार का प्रतीक है और हमारे सांस्कृतिक मूल्य, मानववादी सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित है। हमारी भारतीय अवधारणा में राज्य निर्मित भौगोलिक-प्रशासनिक इकाईयां प्रमुख स्थान नहीं रखतीं बल्कि हमारी चेतना, संस्कृति, मूल्य आधारित जीवन और परंपराएं ही यहां हमें राष्ट्र बनाती हैं। हमारे सांस्कृतिक इतिहास की ओर देखें तो आर्यावर्त की सीमाएं कहां से कहां तक विस्तृत हैं, जबकि सच यह है कि इस पूरे भूगोल पर राज्य बहुत से थे, राजा अनेक थे- किंतु हमारा सांस्कृतिक अवचेतन हमें एक राष्ट्र का अनुभव कराता था। एक ऐतिहासिक सत्य यह भी यह है कि हमारा राष्ट्रवाद दरअसल राज्य संचालित नहीं था, वह समाज और बौद्धिक चेतना से संपन्न संतों, ऋषियों द्वारा संचालित था। वह राष्ट्रवाद इस व्यापक भूगोल की चेतना में समाया हुआ था। यहां का ज्ञान विस्तार जिस तरह चारों दिशाओं में हुआ,वह बात हैरत में डालती है। राजा सिर्फ राज्य बनाते हैं, ऋषि अपने सांस्कृतिक अवदान से राष्ट्र बनाते हैं।

आप देखें तो बुद्ध पूरी दुनिया में अपने संदेश को यूं ही नहीं फैला पाए, बल्कि उस ज्ञान में एक ऐसा नवाचार, नवचेतन था जिसे दुनिया ने स्वतः आगे बढकर ग्रहण किया। भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है, सच कहें तो दुनिया की तमाम स्थितियों से भारत एक अलग स्थिति इसलिए पाता है, क्योंकि यह भूमि संतों के लिए, ज्ञानियों के लिए उर्वर भूमि है। दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी है, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है। यहां का मनुष्य सांस्कृतिक एकता के लिए तो खड़ा होता है पर विचारों में जड़ता आते ही उससे अलग हो जाता है। हमारा ईश्वर आंतरिक उन्नयन और पाप क्षय के लिए काम करता है। हमारे संत भी आध्यात्मिक उन्नयन और पापों के क्षय के लिए काम करते हैं। मनुष्य की चेतना का आत्मिक विस्तार ही इस राष्ट्रवाद लक्ष्य है। इसलिए यह सिर्फ एक खास भूगोल, एक खास विचारधारा और पूजा पध्दति में बंधे लोगों के उद्धार के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता की मुक्ति के काम करने वाला विचार है। यहां मानव की मुक्ति ही उसका लक्ष्य है। यह राष्ट्रवाद सैन्यबल और व्यापार बल से चालित नहीं है, बल्कि यह चेतना के विस्तार, उसके व्यापक भावबोध और मनुष्य मात्र की मुक्ति का विचार से अनुप्राणित है।

भारतीय संदर्भ में राष्ट्रवाद को समझना वास्तव में मानवतावाद के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझना है। यह विचार कहता है- संतों को सीकरी से क्या काम और फिर कहता है कोई नृप होय हमें क्या हानिह्व। इस मायने में हम राज या राज्य पर निर्भर रहने वाले समाज नहीं थे। राजा या राज्य एक व्यवस्था थी, किंतु जीवन मुक्त था- मूल्यों पर आधारित था। पूरी सांस्कृतिक परंपरा में समाज ज्यादा ताकतवर था और स्वाभिमान के साथ उदार मानवतावाद और एकात्म मानवदर्शन पर आधारित जीवन जीता था। वह चीजों को खंड-खंड करके देखने का अभ्यासी नहीं था। इसलिए इस राष्ट्रवाद में जो समाज बना, वह राजा केंद्रित नहीं, संस्कृति केंद्रित समाज था। जिसे अपने होने-जीने की शर्तें पता थीं, उसे उसके कर्तव्य ज्ञात थे। उसे राज्य की सीमाएं भी पता थीं और अपनी मुक्ति के मार्ग भी पता थे। इस समाज में गुणता की स्पर्धा थी- इसलिए, वह एक सुखी और संपन्न समाज था। इस समाज में भी बाजार था, किंतु समाज- बाजार के मूल्यों पर आधारित नहीं था। आनंद की सरिता पूरे समाज में बहती थी और आध्यात्मिकता के मूल्य जीवन में रसपगे थे। भारतीय समाज जीवन अपनी सहिष्णुता के नाते समरसता के मूल्यों का पोषक है। इसीलिए तमाम धाराएं, विचार, वाद और पंथ इस देश की हवा-मिट्टी में आए और अपना पुर्नआविष्कार किया, नया रूप लिया और एकमेक हो गए। भारतीयता हमारे राष्ट्रवाद का अनिवार्य तत्व है। भारतीयता के माने ही है स्वीकार। दूसरों को स्वीकार करना और उन्हें अपनों सा प्यार देना। यह राष्ट्रवाद विविधता को साधने वाला, बहुलता को आदर देने वाला और समाज को सुख देने वाला है। इसी नाते भारत का विचार आक्रामकता का, आक्रमण का, हिंसा या अधिनायकवाद का विचार नहीं है। यह श्रेष्ठता को आदर देने वाली,विद्वानों और त्यागी जनों को पूजने वाली संस्कृति है। अपने लोकतत्वों को आदर देना ही यहां राष्ट्रवाद है। इसलिए, यहां भूगोल का विस्तार नहीं, मनों और दिलों को जीतने की संस्कृति यहां जगह पाती है।

यहां शांति है, सुख है, आनंद है और वैभव है। यह देकर, छोड़कर और त्यागकर मुक्त होती है। समेटना यहां ज्ञान को है, संपत्ति, जमीन और वैभव को नहीं। इसलिए फकीरी यहां आदर पाती है और सत्ताएं लांछन पाती हैं। इसलिए यहां लोकसत्ता का भी मानवतावादी होना जरूरी है। यहां सत्ता विचारों से, कार्यों से और आचरण से लोकमानस का विचार करती है तो ही सम्मानित होती है। वैसे भी भारतीय समाज एक सत्ता निरपेक्ष समाज है। वह सत्ताओं की परवाह न करने वाला स्वाभिमानी समाज है। इसलिए उसने जीवन की एक अलग शैली विकसित की है, जो उसके राष्ट्रवाद ने उसे दी है। यही स्वाभिमान एक नागरिक का भी है और राष्ट्र का भी। इसलिए वह अपने अध्यात्म के पास जाता है, अपने लोक के पास जाता है और सत्ता या राज्य के चमकीले स्वप्न उसे रास नहीं आते। इसी राष्ट्र तत्व को खोजते हुए राजपुत्र सत्ता को छोड़कर वनों, जंगलों में जाते रहे हैं, ज्ञान की खोज में,सत्य की खोज में, लोक के साथ सातत्य और संवाद के लिए। राम हों, कृष्ण हों, शिव हों, बुद्ध हों, महावीर हों- सब राजपुत्र हैं, संप्रुभ हैं और सब राज के साथ समाज को भी साधते हैं और अपनी सार्थकता साबित करते हैं। इसलिए भारतीय जमीन का राष्ट्रवाद एक अलग कथा है, उसे पश्चिमी पैमानों से नापना गलत होगा। आज इस वक्त जब भारतीय राष्ट्रवाद की अनाप-शनाप व्याख्या हो रही है, हमें ठहरकर सोचना होगा कि क्या सच में हममें अपने राष्ट्र की थोड़ी भी समझ बची है?

- प्रो. संजय द्विवेदी

अहिल्यादेवी होल्कर का शासनकाल दुनियाँ के लिये मिशाल

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक इंदौर के होल्कर राजवंश के महल राजवाडा मे 20 मई को आयोजित हुई। राजवाड़ा मे बैठक के पीछे सरकार का संदेश लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती को यादगार एवं चिरस्थाई बनाना रहा है। प्रजातांत्रिक ढंग से चुनी गयी मोहन यादव सरकार ने एमपी की राजधानी भोपाल मे बने विधानसभा भवन की बजाय इंदौर के राजवाड़ा मे सरकार की एक दिवसीय बैठक का राजशाही अंदाज मे आयोजन किया। इस हेतू इंदौर के राजवाड़ा मे मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की बैठक उसी प्रकार सजाई गयी जैसे राजवाड़ा पर राजा महाराजा के समय हुआ करती थी।

असल मे इस बैठक के पीछे लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को याद करना था। उनके लोकहितार्थ किये कार्यो को याद करना था। परम शिवभक्त अहिल्याबाई होल्कर का सम्पूर्ण जीवन सादगी, गरिमा और संघर्ष की मिशाल रहा है। उनका शासनकाल जनहित और लोकमंगल का प्रमाण है। उन्होंने अपने राज्य मालवा मे उत्कृष्ट कार्य किये अपनी सीमा से बाहर भी जनहित के कार्य किये। उनका शासन मालवा राज्य का स्वर्णिम काल रहा है।

अहिल्या बाई एक साधारण परिवार मे जन्मी असाधारण महिला थी। अपने लोकमंगल के कार्यो से समाज ने उन्हें देवी अहिल्या का दर्जा दिया। अहिल्या बाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी ग्राम मे हुआ था। उनके पिता का नाम मानको जी शिंदे था। वे खेतीबाडी करते थे,अहिल्या बाई अपने पिता की एकमात्र संतान होने से परिवार मे उनके प्रति अपार स्नेह था। अहिल्या बचपन से ही शिव की परम भक्त थी, ईश्वर पर उनका अटूट विश्वास था। ईश्वर पर उनका विश्वास जीवनपर्यन्त कायम रहा। उनका विवाह मालवा के शासक मल्हारराव होल्कर के पुत्र खाण्डेराव होल्कर से हुआ। उन्होंने अपनी सरलता से ससुराल वालों का दिल जीत लिया। सब उन्हें बहुत स्नेह करते थे, उनकी दो संताने हुई। पुत्र का नाम मालेराव एवं पुत्री का नाम मुक्ताबाई था। उनके जीवन मे परिवार का सुख अधिक नहीं रहा। भरतपुर युद्ध मे खाण्डेराव वीरगति को प्राप्त हो गए। अहिल्याबाई युवा अवस्था मे ही विधवा हो गयी, उन्होंने रंगीन वस्त्र त्याग दिए सफेद वस्त्र धारण करने का निर्णय लिया। ससुर मल्हारराव, पुत्र मालेराव एवं पुत्री मुक्तबाई भी असमय काल कलवित हो गए अहिल्या बाई ने इस विपरीत समय मे विचलित होने के बजाय, धैर्य और संयम से अपने आप को संभाला मालवा राज्य की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया।

अहिल्या बाई ने एक शासक रहते हुए अनेकों परोपकारी कार्य किये अपने राज्य के आलावा अन्य राज्यों मे उनके किये कार्य अब भी दिखाई देते है। उन्होंने तीर्थ क्षेत्रों मे घाट, कुएँ, बावड़ियों, धर्मशालाओं, आश्रमों, अन्न क्षेत्रों, एवं प्याऊ का निर्माण कराया। इनमे वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, गया, द्वारिका, सोमनाथ, बद्रीनारायण, रामेश्वरम आदि सम्मिलित है। उन्होंने नदियों पर बने घाटों पर महिलाओं के स्नान की पृथक व्यवस्था कराई जिससे महिलाए सुरक्षित वातावरण मे स्नान कर सके। तीज त्योहारों, उत्सवों पर वें मन्दिरों को दान देती थी। छोटे से ग्राम इंदौर को एक विकसित नगर बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक महिला होने के नाते उनका तत्कालीन समय मे महिलाओं की स्थिति को लेकर विशेष ध्यान था, महिला शिक्षा को लेकर उन्हें चिंता थी। उनका मानना था की शिक्षित महिला परिवार और देश को आगे बढ़ाने मे मददगार शाबित होती है। महिला शिक्षा हेतू उन्होंने व्यापक प्रबंध किये। महिलाओं की स्थिति को लेकर उनकी चिंताओं के कारण ही विधवा महिलाओं के निसंतान रहने पर उसके पति की सम्पति राजकोष मे जमा करने के कानून मे संशोधन करते हुए विधवा महिलाओं को पति की सम्पति मे अधिकार देने वाला कानून बनाया। उन्होंने किसानों के लगान को कम किया, किसानों को मजबूत और खेती को उन्नत करने के लिये काम किया। उद्योगो से रोजगार मिलता है, राज्य समृद्ध और उन्नतिशील होता है। यह सोच उनके जहन में थी। उन्होंने नर्मदा तट पर स्थित महेश्वर को राजधानी बनाया और इसे धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र के रूप मे विकसित किया। यहां उन्होंने अहिल्या किला, नर्मदा घाट, अहिलेश्वर मंदिर, न्याय सभा, और पाटेश्वर तीर्थ का निर्माण कराया। महेश्वर मे वस्त्र उद्योग की स्थापना उनकी व्यवसायिक दूरदृष्टि का उदाहरण है, एक समय यह उद्योग विश्व प्रसिद्ध था, जो बुनकरों की जीविका का महत्वपूर्ण साधन माना जाता था। परम शिव भक्त अहिल्या देवी होल्कर ने अपनी राजकीय मुद्रा मे भगवान शिव, शिव वाहन नंदी, बैल पत्र के प्रतिको को अंकित कराया। उनके शासनकाल में राजाज्ञाओं पर श्री शंकर आज्ञा लिखा रहता था। उनका यह स्पष्ट मत था की सत्ता मेरी नहीं है, सम्पत्ति भी मेरी नहीं है, जो कुछ है भगवान का है। समाज भगवान का प्रतिनिधि है और सारी सम्पदा समाज की है। इतिहासकार सर यजुनाथ सरकार ने अहिल्या बाई होल्कर के बारे मे लिखा 'वें उच्च श्रेणी की कूटनीतिक थी, उनकी लोक सेवा और दानशीलता संकीर्ण धार्मिकता नहीं थी, अपितु मूल्यों की स्थापना के स्थाई केंद्र थै।' देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने दैवी अहिल्या बाई के संबंध मे अपनी पुस्तक भारत एक खोज मे लिखा मध्य भारत मे अहिल्या देवी का शासन 30 बरसो तक चला। इस काल मे उत्तम व्यवस्था बनी लोगो तक समृद्धि पहुंची। वें बहुत कुशल शासक थी। उनकी मृत्यु के पश्चात कृतज्ञ लोगो द्वारा उन्हें एक संत के रूप में माना गया।

अब जबकि राष्ट्र अहिल्या देवी होल्कर को याद कर रहा है, एमपी की मोहन यादव सरकार ने उनके 300 वें जन्मोंउत्सव के अवसर पर होल्कर राजघराने के इंदौर स्थित राजवाड़ा पर कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया। तब लगा की सरकारों को अहिल्याबाई के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। शासनकर्ता अपनी प्रजा को सब अभावों से मुक्त करता है। अहिल्याबाई की प्रजा के प्रति अपनाई नीति को सरकारों की कार्यप्रणाली में शामिल होना चाहिए। न्याय सबको मिले इस पर सबका समान हक है। जनहित के कार्यों मे लालफीताशाही से परेशान प्रदेश की जनता को निजात दिलाना, किसानों की फसलों का उचित भाव मिलना, प्रदेश के नगरो मे उद्योग धंधो के विकास की योजनाएँ बनाकर उन्हें ईमानदारी से क्रियान्वयन करना, महिलाओं की स्थिति मे सुधार करना, गरीब, शोषित वँचित लोगो के विकास की योजनाएँ बनाना उन्हें जमीन पर उतारना, जनहित और लोककल्याण के कार्यो मे सरकारी सिस्टम का ईमानदार होना आवश्यक है। भष्ट्राचार मुक्त शासन को अमलीजामा पहनाकर ही धर्मनिष्ट शासक अहिल्या दैवी होल्कर के कार्यो और लोकसेवा को सच्चे मन से याद किया जा सकता है। अहिल्या बाई का शासन काल दुनियाँ मे मिशाल के तौर पर सदियों याद किया जाएगा।

नीति नीयत सब नापाक, फिर भी कहिये 'पाकिस्तान'?

-तनवीर जाफरी

स्वतंत्रता पूर्व 1941 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा कराई गयी भारत की जनगणना के अनुसार अविभाजित भारत की कुल जनसंख्या लगभग 39-40 करोड़ थी। जिसमें मुस्लिम आबादी लगभग 24-25% थी । इस आधार पर अविभाजित भारत में मुस्लिम जनसंख्या लगभग 9.5 से 10 करोड़ के आसपास थी। 1947 के विभाजन के समय भारत की कुल मुस्लिम आबादी का लगभग 35-40% हिस्सा पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान (1971 के बाद का बांग्लादेश) चला गया। जिन भारतीय राज्यों के अधिकांश मुस्लिम भारत छोड़कर गये उनमें खासतौर से पंजाब, सिंध, और उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत जैसे क्षेत्रों के मुस्लिम शामिल थे। पूर्वी बंगाल या पूर्वी पाकिस्तान में पहले से ही मुस्लिम बहुसंख्यक थे, इसलिए वहां अपेक्षाकृत कम प्रवास हुआ। विभाजन के समय मुस्लिम आबादी का लगभग 60-65% हिस्सा भारत में ही रह गया। भारत में ही रहने का फैसला करने वाले अधिकांश मुस्लिम खास तौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश व कई दक्षिणी राज्यों के थे। पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के समय जो प्रक्रिया अपनाये गयी वह अत्यंत हिंसक और अव्यवस्थित थी जिसमें सभी धर्मों के लाखों लोग मारे गये।

बहरहाल, कहने को तो भारत से विभाजित होकर पाकिस्तान का गठन विश्व के सबसे बड़े मुस्लिम राष्ट्र निर्माण जैसे दुःस्वप्न को लेकर किया गया था। इसी मुहिम के अंतर्गत 1943 में उर्दू शायर असगर सौदाई ने यह नारा लिखा था -'पाकिस्तान का मतलब क्या है, 'ला इलाहा इल्ललललाह'। यह नारा हालांकि उस समय मुस्लिम लीग द्वारा अपनाया गया था परन्तु आज वहां कि न केवल अनेक कट्टरपंथी धार्मिक पार्टियाँ बल्कि वहाँ पनाह पा रहे अनेक आतंकी संगठन भी समय समय पर इस नारे का इस्तेमाल करते हैं। परन्तु यदि हम पाकिस्तान के गठन की घोषित मंशा और इस्लामी कलमे को पाकिस्तान के नाम के साथ इस्तेमाल करने की हक़ीकत को देखें तो हमें सब कुछ उल्टा नजर आता है। हक़ीकत तो यह है कि पाकिस्तान ने अपने वजूद में आते ही सिवाय नफरत, हिंसा, क्षेत्रवाद, फिरका परस्ती, भ्रष्टाचार, अल्पसंख्यकों पर जुल्म व आतंकवाद के सिवा दुनिया को कुछ दिया ही नहीं। अन्यथा प्रकृतिक सम्पदाओं से परिपूर्ण 1971 से पहले के इस भूभाग को आज दुनिया में आर्थिक व राजनैतिक रूप से इतना कमजोर व अलग थलग न रहना पड़ता। पाकिस्तान की सत्ता एक तरफ तो पाकिस्तान का मतलब ला इलाहा इल्लललाह बताते हैं दूसरी तरफ इसी देश की सेना लगभग 30 लाख बंगाली मुसलमानों की हत्या कर देती है। जब पाकिस्तान ला इलाहा इल्लललाह के नारे के साथ अलग हुआ तो क्या कारण था कि बांग्लादेश का गठन यानी क्षेत्रवाद इस्लामी नारे पर भारी पड़ गया? यह आखिर कैसा इस्लाम है तो कैसा ला इलाहा इल्लल लाह? इसी पाकिस्तान पर 40 लाख अफगानी मुसलमानों का आरोप है। और इसी 'अल्लाह वाली ' पाकिस्तानी सेना पर दो लाख से अधिक बलूचों की हत्या का भी इलजाम है ? आरोप तो यह भी है कि पाकिस्तानी सेना बलूच लोगों के घरों में आग लगाती है, उनके खेतों और बागों को नष्ट करती है, और बलोची युवाओं को अपहृत कर उनकी आंखें, दिल, और गुर्दे जैसे अंग बेच देती है। क्या यही पाकिस्तान के अस्तित्व में आने का मकसद था ? आज पाकिस्तान पर बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना द्वारा ₹जातीय सफायाः₹ और ₹नरसंहार₹ करने जैसा संगीन इलजाम है। जियाउलहक के शासनकाल में उर्दन में 10 हजार फिलिस्तीनी एक ही रात में मारने का आरोप इसी पेशेवर पाक सेना पर है। यह कैसा इस्लामी देश है ? इसी पाकिस्तान पर भारतीय कश्मीर में गत छः दशकों से आतंकवाद व अशांति फैलाने का आरोप है। भारत में जगह जगह आतंकवादी हमले कराने जैसा अमानवीय व गैर इस्लामी काम पाकिस्तान करता रहा है। मस्जिदों से लेकर दरगाहों, इमामबारगाहों व धार्मिक जुलूसों पर आत्मघाती हमले करने वाले हमलावरों की पैदावार तैय्यार करने वाला पाकिस्तान जब यह कहे कि पाकिस्तान का मतलब,ला इलाहा इल्लललाह, तो इससे बढ़कर अफसोसनाक व शर्मनाक बात और क्या हो सकती है ? इसी नफरत की सियासत ने जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी के फंदे तक पहुंचा दिया। कल पाकिस्तान ने जिन तालिबानों की सरपरस्ती की थी वही आज पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बन चुके हैं। अफगानिस्तान में भी चार लाख लोगों की हत्या का इलजाम पाकिस्तान पर है। कहना गलत नहीं होगा कि स्वयं को लाइलाहा इल्लल्लाह का झंडाबरदार बताने वाले पाकिस्तान जैसे देश ने जितने मुसलमानों की हत्या की उतनी हत्याएं किसी अन्य मुस्लिम राष्ट्र ने नहीं की । उसके बावजूद बड़ा आश्चर्य होता है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर आज भी द्विराष्ट्र सिद्धांत की बात को दोहराते हुए हिंदू और मुसलमान को जीवन के हर पहलू में भिन्न बताते हैं। यदि हिन्दू मुसलमानों से भिन्न हैं तो बंगाली मुसलमान तो एक थे ? शिया,अहमदिया,बरेलवी तो ला इलाहा इल्लललाह कहते हैं ? इनके प्रति क्या व्यवहार है पाकिस्तानी सत्ता व सेना का ? यदि पाकिस्तान की नीयत में खोट न होती तो 1971 जैसा ऐतिहासिक अपमान पाकिस्तानी सेना को सहन न करना पड़ता। आज दुनिया में पाकिस्तान की पहचान आतंकवाद के केंद्र के रूप में हो चुकी है। उसके बाद तुर्रा यह कि भारत जैसे पड़ोसी देश को परमाणु हमले की धमकी देता रहता है। भारत में धार्मिक उन्माद फैलाने के नित्य नए हथकंडे अपनाता है। हक़ीकत तो यह है कि भारत में हिंदू और मुसलमान उतने भिन्न नहीं हैं जितने कि पाकिस्तान में मुसलमानों के ही विभिन्न वर्ग 'ला इलाहा इल्लल अल्लाह' कहने वालों के ही दुश्मन बने हुए हैं।

यह सच है कि दक्षिणपंथी विचारधारा के दल आज सत्ता में हैं परन्तु फिर भी महात्मा गाँधी का यह देश यहाँ के बहुसंख्य हिन्दू समाज के चलते तथा भारतीय संविधान की वजह से आज भी दुनिया का सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। 1947 के पहले भी समग्र भारतीय मुसलमानों ने किसी मुसलमान को अपना नेता स्वीकार नहीं किया और आज भी यहाँ के मुसलमान देश के विभिन्न धर्मनिरपेक्ष दलों को अपना समर्थन देते हैं। मुसलमानों पर आने वाले किसी भी संकट के समय भारतीय धर्मनिरपेक्ष हिन्दू व सिख सभी उनके साथ खड़े होते हैं। खुद अटल बिहारी वाजपेयी कह चुके हैं कि भारत की धर्मनिरपेक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या भाजपा जैसे संगठनों के कारण नहीं, बल्कि हिंदू समुदाय की सहिष्णु और समावेशी प्रकृति के कारण बनी हुई है। गोया वर्तमान समय में अनेक संकटों के बावजूद भारत, मुसलमानों के लिये सबसे सुरक्षित देश है। यहाँ कुछ भी हुआ हो परन्तु ऑपरेशन लाल मस्जिद जैसी घटना कभी नहीं घटी। इसलिए आज का सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस देश की नीति और नीयत सब कुछ 'नापाक' हो फिर भी उसे 'पाकिस्तान ' कहना कितना मुनासिब होगा ?

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

-रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।।

अर्थातः जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है। भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया।

भारत की तीनों सेनाओ (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11414 महिलाएं सेवाएं दे रही है। थल सेवा में 7054 महिलाएं सेवारत है। इनमें 1733 महिला अधिकारी है। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1654 अधिकारी सेवारत है जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही है। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत है जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है। इसी तरह 1212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। 274 महिलाएं भारतीय वायु सेवा के मेडिकल कॉर्प्स में पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिया जाता था। लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती है और वह भी ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था कि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बाद से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है। आर्म्ड फोर्सज में आने के बाद उनके लिए भी अवसर समान होते हैं। उनका करियर प्रोग्रेस वैसा ही होगा जैसा लड़कों का होगा। सर्विस रूट समान होते हैं। अब हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी सेना में पूरी तरह जेंडर न्यूट्रलाइजेशन हो गया है।

सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी है। जो मिसाइल चलती है मोर्चे पर भी जाती है। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती है और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती है। अब महिलाएं डिफेंस भी करती है। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती है। अभी तक आमने-सामने की लड़ाई में महिलाओं को नहीं भेजा जाता है। राजस्थान में झुंझुनू जिले की स्क्वाड्रन लीडर मोहन सिंह 2016 में भारतीय वायु सेवा की तेजस फाइटर स्पाइडर में शामिल होने वाली पहली महिला बनी। इससे पहले वह मिग 21 बाइसन फाइटर प्लेन भी उड़ा चुकी है। ग्रुप कैप्टन सालिया धामी वायु सेवा की ऐसी पहली महिला अधिकारी बनी है जो फ्रंटलाइन काम्बैक्ट यूनिट की कमान संभाल रही है। फ्लाइंग यूनिट की फ्लाइट कमांडर बनने वाली भी वह पहली महिला अधिकारी है। भारत की सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा और थलसेना एवं नौसेना की चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिला अधिकारी ही कर रही हैं।

रक्षा बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की प्रगति धीमी रही है। लेकिन लोगों का मानना है कि इसमें लगातार प्रगति हुई है। अब एक साथ बहुत सारी महिलाएं प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वे दूसरों के लिए रास्ता बना रही हैं। उनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। अगर वे अच्छा काम कर रही हैं तो उन्हें स्वीकार करना आसान होगा और आने वाली महिलाओं के लिए रास्ता साफ हो जाएगा।

शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत महिलाएं केवल 10 या 14 साल तक सेवाएं दे सकती हैं। इसके बाद वो सेवानिवृत्त हो जाती हैं। लेकिन अब उन्हें स्थायी कमीशन के लिए आवेदन करने का भी मौका मिलेगा। जिससे वो सेना में अपनी सेवाएं आगे भी जारी रख पाएंगी और रैंक के हिसाब से सेवानिवृत्त होंगी। साथ ही उन्हें पेंशन और सभी भत्ते भी मिलेंगे। 1992 में पांच साल के लिये शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए महिलाओं का पहला बैच भर्ती हुआ था। इसके बाद इस सर्विस की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ाया गया। 2006 में शार्ट सर्विस कमीशन को 14 साल कर दिया गया। भारतीय सेना अब महिलाओं को सशत्र बल में नियुक्ति के लिए उनके लिए तय की गई नीतियों को लागू कर प्रोत्साहित करती है। इसके लिए महिलाओं के लिए आर्मी मेडिकल कोर, आर्मी डेंटल कोर और मिलिटरी नर्सिंग सेवाओं के लिए परमानेंट कमिशन को मंजूरी दी गई है। अब 11 आर्म्स एंड सर्विसेज में महिला अधिकारियों को परमानेंट कमिशन मिलता है। जिनमें आर्मी सर्विस कोर, आर्मी आर्डनेंस कोर, आर्मी एडुकेशन कोर, जज एडवोकेट जनरल ब्रांच, इंजीनियर कोर, सिगनल कोर, इलेक्ट्रॉनिक्स और मकैनिकल कोर, इंटेलीजेंस कोर, आर्मी एयर डिफेंस, आर्मी एविएशन, रीमाउंट एंड वेटनरी कोर आदि शामिल हैं।

परमानेंट कमिशन के बाद महिला अधिकारी इंडियन आर्मी के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में शामिल आर्टिलरी का हिस्सा बनने लगी है। सेना आर्टिलरी की लगभग 300 रेजिमेंट और लगभग 5,000 अधिकारी हैं। आर्टिलरी में शामिल महिला अधिकारियों की बोफोर्स, होवित्जर, के-9 वज्र जैसी तोपों पर भी 2023 में तैनाती की अनुमति दी जा चुकी है।

वर्तमान में भारतीय सशस्त्र बलों में नियुक्तियों में लैंगिक आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। पुरुष और महिला जवानों की हथियारों और सेवाओं के लिए तैनाती में किसी प्रकार का अंतर नहीं किया जाता है। सभी की पोस्टिंग सेना की जरूरतों के अनुसार की जाती है। भारतीय सेना में महिला अफसरों को परमानेंट कमिशन के लिए 23 नवंबर 2021 को एक जेंडर न्यूट्रल करियर प्रोग्रेशन पॉलिसी लाई गई थी। इसके जरिए महिलाओं को हथियारों व अन्य सेवाओं में समान अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

पूर्व सैनिक स्वर्गीय पंडित छोटेलाल मिश्र की मनाई गई प्रथम पुण्यतिथि

मुंबई(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। केसीएन क्लब के राष्ट्रीय संस्थापक समिति सदस्य व वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व सैनिक स्वर्गीय पंडित छोटेलाल मिश्र की बरखी संस्कार(वार्षिक श्राद्ध) कार्यक्रम व श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न। कार्यक्रम में केसीएन क्लब वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों में केसीएन क्लब के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतीश मौर्या, व उत्तर प्रदेश कमेटी महासचिव मतेंद्र कीर्ति विश्वकर्मा, पिलखिन देवी धाम के महंत बाबा जी, उधोपुर खगिया शिवालय के पुजारी बाबा जी, उधोजक अजीत कुमार पांडेय, बहरिया ब्लॉक प्रमुख शशांक मिश्र, पूर्व ब्लॉक प्रमुख पुरुषोत्तम पाण्डेय, पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना सहित अन्य अनेक ग्राम प्रधान बीडीसी सदस्य, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी का यथोचित सादर सत्कार किया गया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक सिंह ने किया कार्यक्रम का संयोजन क्लब प्रयागराज मण्डल उपाध्यक्ष रामशंकर मिश्र ने किया। कार्यक्रम में केसीएन क्लब के राष्ट्रीय संस्थापक समिति सदस्य व वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व सैनिक स्वर्गीय पंडित छोटेलाल मिश्र के जीवन दर्शन के विषय में पूर्व जिला पंचायत सदस्य व समाजसेवी वकील अहमद ने सभी को बताया, इस अवसर पर क्लब युवा मोर्चा प्रदेश महासचिव अधिवक्ता अमित पाण्डेय ने महापुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जन्मथली को प्रशासनिक स्मारक घोषित करने की मांग की पुनः पुष्टि करते हुए संस्था द्वारा स्थापना स्थली पर गरीब बच्चों के लिए कम शुल्क शिक्षा पद्धति हेतु जय योगेश्वर गुरुकुल विद्यापीठ व गरीबों के लिए चिकित्सा सेवा हेतु प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान केंद्र खोलने की घोषणा की। कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विशाल भोज की व्यवस्था की गई जिसमें आस पास के मंडलों से पदाधिकारी सहित ग्राम प्रधान तुलापुर मुनिशांनद मिश्र, प्रधानाध्यापक चैंपियन पाण्डेय, ग्राम प्रधान गारापुर प्रियांशू तिवारी, ग्राम प्रधान बेनीपुर अजय मिश्र , भाजपा नेता राकेश शुक्ला नवनीत तिवारी, ग्राम प्रधान भदरपुर शान यदुवंशी, जुगनिदिह पंचायत समिति सदस्य अयाज मलिक अज्जू , श्रीपाल यादव, प्रधान देवरा धर्मराज मौर्या, पूर्व शिक्षक विद्या सागर मिश्र, डॉक्टर आनन्द मिश्र,वरिष्ठ पत्रकार त्रिकाली महाराज, उधोजक सुशील सिंह, अवधेश पटेल, नवनीत तिवारी, प्रदीप शर्मा , अंकुश पंडित, एस टी एम स्कूल के प्रबंधक रमेश मिश्र, राजकुमार मौर्या, एडवोकेट दयाशंकर यादव एवं ग्रामस्त सहित अन्य अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नँदन मिश्र त्यागी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी को आगे की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

समाजसेवक व भाजपा नेता को दादी शोक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उपनगर के उत्तर पश्चिम जिला में अँधेरी के प्रखर समाजसेवक व युवा भाजपा नेता रविकांत सर्वदानंद शुक्ला की दादी परिखना देवी आनंदशंकर शुक्ला का निधन 19 मई को हो गया था। उन्होंने अपने पीछे एक हस्ता खेलता परिवार छोड़ गई है।

शुक्ला ने दर्द ब्यक्त करते हुए बताया कि दिनांक 30 मई दिन शुक्रवार को अंधेरी पूर्व स्थित तेली गल्ली के चटवानी हाल में शाम 6 बजे से रात 11 तक तेरहवीं का आयोजन किया गया है। रविकांत ने सभी से आग्रह किया है कि लोग समय से पधारकर उक्त आत्मा की शांति हेतु श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सामूहिक भोज में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने की कृपा करें।

श्री बालाजी धाम गड़ावदिया (रतलाम, मध्य प्रदेश) के पीठाधीश्वर श्री श्रीधर जी महाराज का बोईसर आगमन आज

पालघर(उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के रतलाम ज़िले के छोटे से गाँव गड़ावदिया में स्थित श्री बालाजी धाम, हनुमान जी की कृपा और चमत्कारी दिव्यता के लिए विख्यात है। इस पावन धाम के पीठाधीश्वर श्री श्रीधर जी महाराज की आध्यात्मिक शक्ति और श्री बालाजी महाराज की अनुकंपा से आज असंख्य श्रद्धालुओं के कष्ट दूर हो रहे हैं। हर मंगलवार को बालाजी धाम में दिव्य दरबार का आयोजन होता है, जहाँ सोमवार से ही श्रद्धालु एकत्र होना प्रारंभ कर देते हैं ताकि मंगलवार को उन्हें दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त हो सके। यह दिव्य दरबार निरंतर बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या का साक्षी बनता जा रहा है। अब तक सैंकड़ों लोगों को कैंसर, शुगर जैसी असाध्य बीमारियों से मुक्ति प्राप्त हुई है, जो श्री बालाजी महाराज की कृपा और गुरुदेव श्री श्रीधर जी महाराज की साधना का प्रत्यक्ष प्रमाण है।श्री श्रीधर जी महाराज 26 तारीख, सोमवार को बोईसर पधार रहे हैं। जो भी श्रद्धालु, सेवक या जिज्ञासु उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहते हैं, वे डॉ. रविंद्र मिश्रा के दूरभाष क्रमांक 9503055090 पर संपर्क कर सकते हैं।

पुराने झगड़े को लेकर दो परिवारों में जमकर हुई मारपीट, 6 लोग घायल

भिवंडी। भिवंडी शहर के कोंडाची वाडी चव्हाण कॉलोनी इलाके में रहने वाले दो परिवारों के बीच पुराने झगड़े को लेकर मारपीट हो गई। जिसमें लकड़ी के डंडे और लोहे की रॉड से हमला किए जाने से दोनों परिवारों के छहः सदस्य घायल हो गए।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पप्पा शाह, सरवर शाह, राहील शाह ने पुराने झगड़े का गुस्सा लेकर जुबेर शाह के साथ गाली-गलौज की और लात घूसों से पिटाई कर दी। इसी दौरान जब पत्नी अफसरीन और बेटा जावेद और भतीजी सानिया विवाद सुलझाने गए तो पापा शाह, सरवर शाह और राहिल शाह ने भी अफसरीन, जावेद और सानिया के साथ गाली-गलौज की और लोहे की रॉड और डंडे से पिटाई कर दी। अफसरीन की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

प्रधान सचिव एकनाथ डवले ने जव्हार तहसील का किया दौरा ग्रामविकास योजनाओं की गहन समीक्षा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के जव्हार तालुका में ग्रामविकास और पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव एकनाथ डवले (भा.प्र.से.) ने 24 मई को विभिन्न विकास योजनाओं की स्थल पर जाकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्थायी कृषि, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवाएं और बुनियादी ढांचे की प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। उनके साथ जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, परियोजना संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

प्रधान सचिव डवले ने आपटाले गांव के कापरीचापाड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निमार्णाधीन घरों का निरीक्षण किया और लाभार्थियों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और प्रगति के बारे में जानकारी ली। कुछ घर 1000 वर्गफुट तक आरसीसी निर्माण में तैयार किए गए हैं, जिसे देखकर उन्होंने प्रसन्नता जताई। इसके साथ ही उन्होंने रायतले ग्रामपंचायत में महिला बचत समूहों द्वारा उमेद अभियान के अंतर्गत शुरू किए गए ईंट भट्ठा व्यवसाय की सराहना की, जिससे स्थानीय महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त हुई है और कातकरी समाज का पलायन रुक गया है। कापरीचापाड़ा में बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना के तहत पूर्ण हुई कुओं का निरीक्षण करते हुए डवले ने बताया कि अब किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे सब्जियों और फलों की खेती में वृद्धि हुई है और किसानों की आय दोगुनी होने की संभावना है। मनोज

रानडे ने कुसुम योजना के तहत सोलर पंपों से उत्पादन में वृद्धि की जानकारी दी, वहीं रविंद्र शिंदे ने बताया कि 2023-24 और 2024-25 में जिले में कुल 600 कुएं पूर्ण किए गए हैं। रायतले ग्रामपंचायत के कातकरी वसाहत में कार्यरत भूमि महिला प्रभाग संघ के उपक्रमों की समीक्षा करते हुए डवले ने महिलाओं की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कृषि यंत्र योजना के तहत दिव्यांग लाभार्थियों को दिए गए पावर टिलर का भी निरीक्षण किया। इन उपक्रमों से महिलाओं को आर्थिक बल मिला है और स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन हुआ है। जलजीवन मिशन के अंतर्गत चल रही नल योजना की प्रगति की जांच करते हुए डवले ने कार्य की गति पर संतोष जताया। उन्होंने साखरशेत स्थित नमो ग्राम सचिवालय, एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा किया। इसके अलावा जिला परिषद सेस फंड से निर्मित व्यापारिक गालों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले इन प्रयासों की प्रशंसा की। जव्हार के सरकारी विश्रामगृह में आयोजित समीक्षा बैठक में डवले ने मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना की वेबसाइटों पर सीधे जाकर लाभार्थियों के खातों में निधि समय पर जमा होने की पुष्टि की। उन्होंने योजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली अड़चनों की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप, अतुल पारसकर, इजाज अहमद शरीक मसलत, जिला महिला एवं बाल कल्याण अधिकारी प्रवीण भावसार, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, गट विकास अधिकारी दत्तात्रय चित्ते सहित कई मान्यवर उपस्थित थे। प्रधान सचिव डवले ने जव्हार तालुका में ग्रामीण विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर संतोष जताते हुए, स्थायी कृषि, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे सुधार की सराहना की और भविष्य के विकास कार्यों के लिए अधिकारियों को प्रेरित किया। उनके इस दौरे से जव्हार तालुका के ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलने की आशा व्यक्त की गई है।

सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी ने 2025-26 के लिए एडमिशन शुरू किए

मुंबई। मुंबई की सबसे प्रगतिशील और बहु-आयामी प्राइवेट युनिवर्सिटी सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी अकादमिक वर्ष 2025-26 के लिए अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए ऐप्लीकेशन्स स्वीकार कर रही है। विभिन्न क्षेत्रों में 100 से अधिक प्रोग्रामों और एडमिशन के आसान राउण्ड्स के साथ एसवीयू छात्रों की शिक्षा की यात्रा को बेहतरीन बना देती है। उन्हें अकादमिक उत्कृष्टता और ग्लोबल एक्सपोजर के साथ उद्योग जगत की जरूरतों के अनुसार तैयार करती है। संस्थान में प्रारम्भिक ऐप्लीकेशन की अंतिम तारीख 31 मई, 2025 है।

वाइब्रेन्ट शहर मुंबई में स्थित यह युनिवर्सिटी 80 सालों की धरोहर के साथ उच्च शिक्षा में इनोवेशन में अग्रणी है। युनिवर्सिटी इमर्सिव लर्निंग, सर्वश्रेष्ठ सुविधाओं, इंटरनेशनल साझेदारियों एवं बेहतरीन कैंपस लाईफ के साथ ग्रेजुएट्स को भविष्य के लिए तैयार करती है।

सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी हमारा मानना है कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, साहस के साथ इनोवेट करने और नैतिक रूप से नेतृत्व करने में सक्षम बनाए। हमारा समेकित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है छात्र न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करें बल्कि ऐसा कौशल भी विकसित करें जो उनके भविष्य को आकार दे सके। हम महत्वाकांक्षी छात्रों को वाइब्रेन्ट, समावेशी एवं विश्वस्तर पर कनेक्टेड एकेडमिक कम्युनिटी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। प्रोफेसर वी.एन. राजसेखरन पिल्लै, वाईस चांसलर, एसवीयू और पूर्व चेयरमैन, युनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (यूजीसी) ने कहा।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपाइयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सेना द्वारा पाक आतंकवादियों के खिलाफ सफलता पूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उत्साहित भाजपाइयों ने वसोर्वा विधानसभा में तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, विधायक व महामंत्री महाराष्ट्र राज्य संजय केणेकर, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री व मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार के निदेर्शानुसार महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एसएम खान के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा भाजपा कार्यालय आनंद नगर, प्रभाग क्रमांक 61 से चलकर मेगा मॉल, ओशिवारा, आदर्श नगर, काजुपाडा सिग्नल होते हुए वापस भाजपा कार्यालय पर समाप्त हुई। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए एसएम खान ने कहा कि

पहलगाम में पाक आतंकियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की हत्या के बाद हमारी सेना ने जिस तरह से पाक स्थित आतंकी शिविरों को नष्ट करते हुए आतंकवादियों का सफाया किया, उससे देशवासियों का सीना चौड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि जो भी भारत की तरफ आंख उठाकर देखेगा, उसका यही हश्र होगा। पाकिस्तान ने अगर दोबारा ऐसी गलती की तो पाकिस्तान दुनिया के नक्शे से मिट जाएगा। उन्होंने कहा कि जो देश सुई भी नहीं बना सकता, उसकी भारत के सामने क्या औकात है ?

तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों में प्रमुख अतिथि के रूप में मुफ्ती मंजूर जीआई साहेब ,पूर्व राज्यमंत्री अमरजीत मिश्र, श्री सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, पूर्व नगरसेविका हेमा बेलानी, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष मेडेकर, अभिजीत राणे, चिश्ती हजरत, असलम बाबा, रामकुमार पाल ,अकबर सैयद समेत हजारों लोगों ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

नालासोपारा पूर्व में गंदगी का सम्राज्य

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका जहां एक तरफ बरसात के इस मौसम में जलजमाव की रोकथाम रोकने के लिए युद्ध स्तर पर बड़े नालों की सफाई करवा रही है वहीं पालघर जिले के अंतर्गत आने वाले नालासोपारा में नालों में कचरे भरे पड़े हैं। जिससे बढ़ती हुई गंदगी के कारण बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। फिर भी पालघर नगर पालिका स्वच्छता अभियान के प्रति कुंभकर्णी निद्रा धारण किए हुए है। यही नहीं पहली ही बरसात में नालों की सफाई न होने से अनेक झोपड़पट्टियों और सड़कों पर घुटने पर पानी भर गया। जिसके कारण शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय महतो (बिहारी) ने मनपा के वरिष्ठ अधिकारियों से नालासोपारा पूर्व के नालों की सफाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नालासोपारा के

गणेश नग , धानींव बाग नाका के अंदर, शिवशक्ति वेल्फेयर सोसायटी,९ एकड़, से लेकर हाइवे सोपारा फाटा , बनोठा पाडा, शिवाजी नगर कचरे के ढेर के कारण गंदगी का सम्राज्य फैला हुआ है।

जिसके कारण बरसात के इस मौसम में बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। इस बारे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय महतो (बिहारी) ने बताया कि यहां का एक भी नाला अभी तक साफ नहीं किया गया है। जबकि एक ही दिन की बरसात में सड़क पर घुटने तक पानी भर गया। लोगों का यह भी कहना है कि नालों के ढक्कन भी खुले हैं जिससे बरसात में आने जाने वालों के दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है। शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय महतो (बिहारी) ने मनपा अधिकारियों से जल्द से जल्द साफ सफाई किए जाने की मांग की है।

गुंडागर्दी करते हुये 4 युवकों ने की कारखाना की तोड़फोड़

कल्याण(उत्तरशक्ति)। नकली बंदूक दिखाकर तो कभी तलवार दिखाकर एक जरी कारखाना चलाने वाले से जबरन वसूली करने का मामला सामने आया है। काटेमनिवली, कल्याण पूर्व के कारखाना चलाने वाले मोहम्मद शाबिर शेख की शिकायत पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने 4 युवकों पर

पर जबरन वसूली और घर की तोड़फोड़ करने का मामला दर्ज किया है। कोलसेवाड़ी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार काटेमनिवली स्थित सूर्या स्कूल के पास व्यापारी मोहम्मद शाबिर शेख का हैंडवर्क कारखाना है, जहां कपड़ो पर जरी का काम किया जाता है। रविवार की दोपहर आरोपी सुभान पठान अपने कुछ साथियों के साथ कारखाने पर आया। नकली बन्दूक दिखाकर धौंस दिखाकर उन्होंने व्यापारी से मात्र एक हजार रुपये की रंगदारी मांगी। पैसे नहीं देने पर उन्होंने व्यापारी मोहम्मद शाबिर और उनके भाई जाकिर को मारने की धमकी देते हुवे घर का सामान की तोडफोड़ की। आरोपी सुभान पठान हमेशा उनके कारखाने पर आकर गुंडागर्दी और दादागिरी करता रहता है। जिसकी शिकायत कोलसेवाड़ी पुलिस में वारंवार की गई । लेकिन पुलिस आरोपियों पर नरमी दिखाते हुवे किसी प्रकार की ठोंस कार्रवाई नही की । रविवार को फिर से गुंडागर्दी करते हुवे घर का सारा सामान तहसनहस कर दिया गया। यहां तक घर के बाहर खड़ी गाड़ी तक को नही बक्सा गया। इस घटना के बाद पूरे परिसर में भय का माहौल बना हुवा है।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर की जयंती निमित्त सारी वॉकेथान का उत्तर मुम्बई महिला मोर्चा ने किया आयोजन

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की विशेष उपस्थिती में भव्य आयोजन

कांदिवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर मुंबई महिला मोर्चा के तत्वावधान में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर की ३००वी जयंती निमित्त सारी वॉकेथान का आयोजन किया गया। कांदिवली स्थित पोईसर जिमखाना से शुरू होकर लोककल्याण कार्यालय तक आयोजित किए गए इस सारी वॉकेथान में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने भी प्रमुखता से उपस्थिति दर्ज कराई और भारी संख्या में इस वॉकेथान में शामिल हुई नारी शक्ति को संबोधित भी किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक उर्फ बाळा तावडे तथा आयोजिका जिला महिला अध्यक्षा योगिता पाटील सहित कई अन्य पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज का छत्रपति संभाजीनगर में विस्तार

मुंबई। एआई-संचालित उद्यम समाधानों में वैश्विक अग्रणी, फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व में औरंगाबाद), महाराष्ट्र में अपने परिचालन के विस्तार और भर्ती की घोषणा की। इस निर्णय के साथ, कंपनी ने भारत में उभरते प्रौद्योगिकी केंद्रों में निवेश बढ़ाने और स्थानीय गुणवत्ता प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता रेखांकित की है। यह नई सुविधा, एबीसी ईस्ट, प्रोजोन मॉल के बगल में, चिकलथाना एमआईडीसी की चौथी मंजिल पर स्थित है, जो शहर में फाइंडेबिलिटी साइंसेज के वर्तमान उत्कृष्टता केंद्र के विस्तार के रूप में काम करेगी। यहां से एआई इंजीनियरिंग टीम का विस्तार किया जाएगा, जो एजेंटिक वर्कफ़्लो इंजन, एंटरप्राइज पूवार्नुमान और जनरेटिव एआई-संचालित बिजनेस प्रोसेस को-पायलट जैसे प्रमुख उत्पादों को विकसित और वितरित करेगी।

छत्रपति संभाजीनगर में विस्तार करने का फाइंडेबिलिटी साइंसेज का निर्णय, स्थानीय प्रतिभाओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी एआई तकनीशियनों में बदलने के उनके दीर्घकालिक प्रयासों का हिस्सा है। पिछले दस वर्षों में, कंपनी ने निम्न आय वाले परिवारों के युवाओं के लिए सुव्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी की है। परिणामस्वरूप आज 100 से अधिक युवा अमेरिका, जापान और भारत में वैश्विक एआई परियोजनाओं पर सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं। फाइंडेबिलिटी साइंसेज के संस्थापक और सीईओ आनंद माहुरकर ने कहा, ₹छत्रपति संभाजीनगर तक विस्तार करने का हमारा निर्णय हमारे इस विश्वास का प्रतीक है के वैश्विक नवाचार कहीं से भी संभव है। इस क्षेत्र में निवेश करके, हम न केवल अपना व्यवसाय बढ़ा रहे हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

विद्यालय प्रबंधक पर जानलेवा हमला, केस दर्ज ,जाँच में जुटी पुलिस

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के बबुरा गांव के पास बीती रात्रि अज्ञात नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने जय हिंद शिक्षा निकेतन स्कूल के प्रबंधक पंकज तिवारी पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पंकज तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार वह किसी पारिवारिक निमंत्रण से घर वापस लौट रहे थे तभी पहले से घात लगाए बदमाशों ने रास्ते में उन पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पंकज तिवारी को आनन-फानन में परिजनों तथा गांव वालों के द्वारा उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पांडे ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

उप जिलाधिकारी बूढनपुर ने दबंग से मुक्त कराई जमीन

प्रेम चंद मिश्रा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जनपद के बूढनपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत कोठरा गांव में स्थित अपने विवादित खेत पर कब्जा पाकर भूस्वामी रामशरण व श्याम नारायण विश्वकर्मा पुत्र गण स्वर्गीय बलिराम विश्वकर्मा ने राहत की सांस ली। बता दे की आजमगढ़ जिले के सदर तहसील के नरांव गांव निवासी उक्त दो भाइयों ने बूढनपुर तहसील क्षेत्र के कोठरा गांव में विगत 22 मई को सन 2023 को इसी गांव के निवासी रामनयन यादव पुत्र झिनकू यादव से गाटा संख्या 508 खेत का बैनामा लिया था और रामनयन यादव ने क्रय करने वाले काश्तकार को खेत पर कब्जा भी दिलवा दिया था । लेकिन इसी गांव के प्रधान विजय यादव ने दबंगई से कब्जा कर लिया था , कब्जा किया हुआ व्यक्ति कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं था । कई साल से किसान रामशरण विश्वकर्मा जिलाधिकारी स्थानीय पुलिस से न्याय के लिए गुहार लगाई थी लेकिन रामशरण विश्वकर्मा को कोई न्याय नहीं मिल रहा था। बताया जाता है कि रामशरण विश्वकर्मा ने अपने मित्र मुंबई के डॉक्टर भोलानाथ चौहान से संपर्क किया डॉक्टर भोलानाथ चौहान ने उनके कागजात को लेकर भाजपा के विधान परिषद सदस्य रामसूरत राजभर से संपर्क किया । रामसूरत राजभर ने संज्ञान में लेते हुए जिला अधिकारी से संपर्क कर न्याय करने की अनुरोध किया , जिला अधिकारी ने उप जिला अधिकारी को आदेश देकर 24 घंटे के अंदर दबंग व्यक्ति के कब्जे से जमीन को मुक्त करवाया । और रामसरन विश्वकर्मा ने मुक्त हुई जमीन पर ढईचा बोकर पूरा परिवार खुश हैं। कहा जाता है कि ईश्वर के यहां देर है लेकिन अंधेर नहीं है। आजमगढ़ क्षेत्र और बूढनपुर में जिला अधिकारी, उप जिला अधिकारी और बीजेपी राज्यसभा परिषद सदस्य राम सुरत राजभर की चारों ओर प्रशंसा हो रही है ।

शादी के तेरह दिन बाद उजड़ गया सुहाग,मौत की सूचना मिलते ही परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेजी बाजार में रणजीत की पत्नी रीमा के हाथों की मेहंदी की लाली खत्म होने से पहले उसका सुहाग उजड़ गया। रणजीत की शादी बीते 11 मई को बड़े ही धूमधाम से शाहगंज के सबरहद गांव निवासी प्रवीण विश्वकर्मा की बेटी रीमा विश्वकर्मा के साथ हुई थी। शादी के अभी दो सप्ताह ही हुए थे तभी विवाद को सुलझाने में उनके पति रणजीत की मौत हो गई। रणजीत अपने मौसा पिपरी गांव निवासी फूलचंद विश्वकर्मा के घर शुक्रवार को अपने परिवार के साथ मौसी की लड़की के शादी में गए थे। मौत की सूचना मिलते ही परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। रणजीत के घर के पड़ोस के लोग भी यही चर्चा कर रहे हैं कि बेचारी रीमा का अब क्या होगा। पति की मौत की खबर सुनकर रीमा बेहोश हो गई तो रणजीत की मां नीलू विश्वकर्मा दहाड़े मारकर रो रही है, बेटे की मौत से पिता रामअजोर अचेत हैं। शनिवार को रात में रणजीत विश्वकर्मा के शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने रणजीत का अंतिम संस्कार खूंशापुर घाट पर किया। पिता ने बेटे को मुखाग्नि दी।

विद्या वह है जो असंग करे, न कि आसक्त : मोरारी बापू

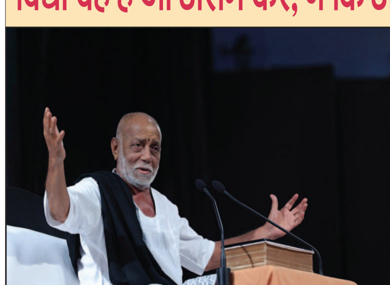

नालंदा। नालंदा की पुण्यभूमि पर रामकथा का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं को कथा सुनाते हुए मोरारी बापू ने कहा कि 'विद्या वह है जो असंग करे, न कि आसक्तह्व। मैं चौपाई में कहा कि गुरु गृह गये पढ़न रघुराई। अल्प काल विद्या सब पाई।। तब ऋषि निज नाथहि जियं चीन्ही। विद्या निधि कहौं विद्या दीन्ही। बापू ने कहा, मैं यहां केवल प्रवचन के लिए नहीं, बल्कि इस पावन धरती को प्रणाम करने आया हूं। प्रणाम के बाद जो प्रसाद प्राप्त होगा, उसी को प्रवचन के रूप में बांटूंगा। मैं इस भूमि पर थोड़ा स्वाध्याय करने आया हूं। उपनिषद कहता है कि स्वाध्याय के बिना प्रवचन संभव नहीं। इसलिए इस विद्याभूमि को प्रणाम करके, स्वाध्याय करूंगा और जो प्रसाद प्राप्त होगा, उसे आप सबके साथ साझा करूंगा। बापू ने कहा कि उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में कथा की है और अब हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भी करने जा रहे हैं, लेकिन नालंदा विश्वविद्यालय में कथा करने का अनुभव अलग ही है। उन्होंने कहा, तुर्क आक्रांताओं ने इस भूमि की इमारतें तोड़ीं, पुस्तकालय जलाया, लेकिन हमारे विश्वास को नहीं मिटा सके। आज भी वह आग बुझी नहीं है झ यह धर्म की, विद्या की, साधना की अग्नि है। चीन के यात्रियों ने लिखा है कि नालंदा में प्रवेश से पहले द्वार पर ही परीक्षा ली जाती थी, और जैसे ही कोई विद्यार्थी भीतर प्रवेश करता, विद्या स्वयं उसके पास चली आती। बापू ने कहा, तुलसीदास जी की पंक्ति अल्प काल विद्या सब आई आज शताब्दियों बाद भी साकार होती प्रतीत हो रही है। विरायतन का उल्लेख करते हुए बापू ने कहा कि यहाँ स्वच्छता भी है और पवित्रता भी है। उन्होंने आगे कहा कि देश में स्वच्छता अभियान तो सफल रहा, लेकिन अब पवित्रता का अभियान चलाना होगा।

जौनपुर :जानलेवा हमले के आरोप में माँ-बेटी समेत तीन गिरफ्तार

युवक पर जानलेवा हमला: पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीन आरोपितों को किया गिरफ्तार

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव में एक युवक पर धारदार हथियार से किए गए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय के नेतृत्व में गठित टीम ने इस गंभीर वारदात के पीछे रहे मुख्य आरोपीगण को पहले उनके घर से और फिर एक को गांव के बाहर से गिरफ्तार किया। घटना के संबंध में बता दे कि कबीरुद्दीनपुर गांव निवासी अजय गौतम (32) शुक्रवार की रात करीब 8:30 बजे अपने घर पर था, तभी गांव के ही सूरज नामक युवक का फोन आया और उसने अजय को बाहर बुलाया। आरोप है कि कुछ दूरी पर सड़क किनारे पहले से घात लगाए बैठे सूरज, आकाश और उनके घर की दो महिलाएं शशिकला और अंजली ने अजय पर गाली-गलौज करते हुए पुरानी रंजिश के चलते धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में अजय का गला बुरी तरह कट गया और वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा।अजय की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की टीम ने गंभीर रूप से घायल अजय को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। घायल के पिता राम प्रसाद गौतम की तहरीर पर पुलिस ने आकाश, शशिकला और अंजली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 24 मई को शशिकला पत्नी परविन्द उर्फ अमित और अंजली पुत्री परविन्द उर्फ अमित को उनके घर से गिरफ्तार किया। इसके बाद एक अन्य सूचना के आधार पर तीसरे आरोपी आकाश को स्टेट बैंक मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आकाश ने घटना में प्रयुक्त चाकू के बारे में जानकारी दी, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया।

चार लोगों को बचाकर खुद को ही नहीं बचा पाया सूरज

भदोही(उत्तरशक्ति) । जनपद के कोइरौना थानाक्षेत्र के कलिक मवैया (बदलूपुर) गंगा घाट पर रविवार को सुबह साढ़े सात बजे गंगा में स्नान के दौरान चार लोग गहरे पानी में जाने से डूबने लगे। उनको बचाने में 12वीं के छात्र सूरज मिश्र (20) पुत्र राजेश निवासी नगरदह सेमराध की डूबने से मौत हो गई।वह परिजनों के साथ अपने ननिहाल कलिक मवैया में मामा की शादी में शामिल होने के लिए नाना रंगनाथ तिवारी के यहां आया हुआ था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।कलिकमवैया गांव निवासी रंगनाथ तिवारी के बेटे विकास तिवारी की शादी 23 मई को थी। उसमें नगरह निवासी सूरज मिश्रा परिवार वालों के साथ आया था। रविवार को एक ही कुनबे के करीब आठ लोग गंगा घाट पर गंगा स्नान करने गए। सभी के साथ संग सूरज भी गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सूरज स्नान कर गंगा से बाहर निकल कर कपड़े बदल चुका था। इसी दौरान स्नान करते समय गहरे पानी में चले जाने से कोमल मिश्रा (24), आराध्या (13), अंशु दूबे (18) और सत्यम मिश्रा (16) गंगा में डूबने लगे।

परिजनों में मचा कोहराम परिजनों को डूबता देख प्रकाश तिवारी (30) और सूरज मिश्रा (20) ने गंगा में छलांग लगा दिया। गंगा में डूब रहे चारों को बचा लिया। इसी बीच, सूरज कब पानी में डूब गया किसी को पता नहीं चल सका। घाट के ऊपर जब सूरज नहीं दिखा तो उसकी खोज शुरू हुई। सूचना मिलते ही घाट पर सैकड़ों ग्रामीणों भी भीड़ लग गई। गांव के लोग गंगा में शव ढूंढने में लगे रहे। लगभग ढाई घंटे बाद स्थानीय मछुआरों ने शव को ढूंढ निकाला। सूरज की मौत की खबर से ननिहाल और घर में कोहराम मच गया। मृतक सूरज तीन भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। मां मुन्नी मिश्रा सहित परिजनों का रो- रो कर बुरा हाल है। घटनास्थल पर पहुंची कोइरौना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी छोटक यादव ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है। प्रकाश और सूरज की वीरता को सलाम कोनिया के कलिक मवैया की घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। अपनी जिंदगी पर खेल कर सूरज ने चार लोगों की जान तो बचा लिया लेकिन खुद जिंदगी की जंग हार गया। इस दर्दनाक घटना से कालिक मवैया में हर आंखे नम दिखी।कोइरौना के नगरदह गांव के सूरज मिश्र और कलिक मवैया के उनके मामा प्रकाश तिवारी ने रविवार को बहादुरी का परिचय देते हुए गंगा में डूब रही कोमल मिश्रा समेत चार को बचा लिया लेकिन इन सब को बचाने में सूरज की जल समाधि हो गई।

भभौरी निवासी अधिवक्ता बृजेश कुमार पांडेय और कलिक मवैया के विवेक तिवारी ने घटना पर दुख जताते हुए कोइरौना थाना परिसर में एसडीआरएफ के जवानों की तैनाती की मांग डीएम से किया। घटना से खुशी मातम में बदल गई।

प्रदर्शनी में दिखी अहिल्याबाई होल्कर के सेवा और सुशासन की झलक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा में कार्यालय में प्रदर्शनी लगाई गई प्रदर्शनी में उनके द्वारा कराए गए सेवा, सुशासन, धर्मार्थ और ऐतिहासिक कार्यों को दशार्या गया प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी एव जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया ।मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी ने कहा कि इस अभियान के दौरान प्रदेश भर में महिला जनसंवाद, प्रतियोगिताएं और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे पार्टी कार्यकर्ता रानी अहिल्याबाई के न्यायप्रिय प्रशासन, मंदिरों के जीर्णोद्धार, धार्मिक-सांस्कृतिक उत्थान और उनके दूरदर्शी नेतृत्व को आम जनता तक पहुंचाएंगे साथ ही, इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार के ‘विकास भी, विरासत भी’ के सिद्धांत को भी प्रचारित किया जाएगा। वीरता और मूल्यों की रानी देवी पुण्य श्लोका अहिल्याबाई होल्कर ने सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ-साथ गरीब, दलित, पिछड़े और उपेक्षित वर्गों के कल्याण के लिए जो नीतियां बनाई हैं वह आदर्श और प्रेरणादाई हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर पुनर्जागरण की देवी थीं वह हमेशा अपने कार्यों से जानी जाएंगी उनके द्वारा काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ मंदिर तक देश भर के करीब 10 हजार मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया गया नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और राष्ट्रनिर्माण के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया था। उन्होंने आगे बताया कि होलकर वंश की महान शासिका रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को विशेष रूप से स्मरणीय बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने इस अभियान के जरिए न सिर्फ अहिल्याबाई की धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विरासत को जनता के बीच प्रस्तुत करना है बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण की उपलब्धियों को भी उजागर करना है ।उक्त अवसर पर किसान मोर्चा अनिल गुप्ता भूपेंद्र पाण्डेय सुरेन्द् मिश्र अन्य भाजपा गण उपस्थित रहे।

कब्रिस्तान की जमीन पर रेलवे विभाग पर कब्जा करने का आरोप

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अभी वक्फ का मामला ठंडा भी नही हुआ है की लगभग इससे जुड़े मामले ग्रामीण कोतवाली पुलिस के पास पहुंच कर न्याय की गुहार लगाई। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ताखा पूरब निवासी मोहम्मद आरिफ, नौशाद एवं मोहम्मद अरशद ने शनिवार को कोतवाली पहुंच कर लिखित तहरीर देते हुए रेलवे पर आरोप लगाया की आ. न.838/0.809 हे. व 835/-081 हे. ग्राम ताखा पूरब कब्रिस्तान के खाते की संपत्ति है। जिसमे ग्राम सभा के सभी मुस्लिम समुदाय के शव दफ्न होते है। उपरोक्त कब्रिस्तान की भूमि में उत्तर रेलवे शाहगंज द्वारा अवैध रूप से रेलवे लाइन बिछाने के लिए खुदाई की बात की जा रही है। तथा निशान दही की जा रही है। ऐसी स्थिति में कब्रिस्तान की भूमि की पैमाइश कराकर सुरक्षित किया जाना आवश्यक है। कोतवाली पुलिस और राजस्व विभाग मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

सिधौना बाजार में रिपेयर ट्रांसफार्मर 100 केवी का वापस, लोग परेशान

मुहम्मद आरिफ

सिधौना, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सिधौना बाजार मे लगभग 10 दिनों से लगातार बिजली बाधित होने के वजह से सिधौना बाजार के सभी निवासी दुकानदार त्राहि त्राहि कर रहे हैं। बताते चले कि यहां की बिजली 15 मई से ही खराब है बिजली विभाग के कर्मचारी आते हैं बिजली बनाते हैं। लेकिन सूचना मिलती है कि बिजली खराब हो गई है । यह प्रक्रिया लगभग एक हफ्ते से चल रहा है लेकिन बिजली विभाग के अधिकारियों का ध्यान इस विषय पर नहीं है। आज लगभग 10 दिनों के बाद रिपेयर ट्रांसफार्मर आजमगढ़ से सिधौना बाजार में आया था। जब गाड़ी से ट्रांसफार्मर को बिजली विभाग के कर्मचारीयों एवं जनता की सहयोग से नीचे उतर गया तो पता चला कि ट्रांसफार्मर से तेल का रिसाव हो रहा है। यह सूचना बिजली विभाग के अधिकारियों को दी गई। जिससे वह ट्रांसफार्मर वापस चला गया, बाजार वासियों का कहना है कि अब ट्रांसफार्मर कब आएगा लगभग 10 दिनों से हम सभी परेशान हैं। पानी खरीद कर पी रहे हैं आटा चक्की सहित सारा कार्य बिजली की वजह से बाधित है। बच्चा बूढ़ा नौजवान औरतें इस भीषण गर्मी में सभी बिजली बाधित होने से परेशान है। आदमी तो घर से निकाल कर किसी प्रकार से अपना समय काट ले रहे हैं। लेकिन घर की औरतें छोटे बच्चे बूढ़े इस भीषण गर्मी में किसी प्रकार से अपना जीवन व्यतीत कर रही है। इनकी सुनने वाला कोई नहीं है,बिजली बाधित होने के विषय में कई बार प्रिंट मीडिया द्वारा खबरों चलाया गया है। लेकिन इस विषय में अभी तक शासन प्रशासन का ध्यान नहीं है। जिससे लोगों में इस विषय पर रोस व्याप्त है इस समस्या से लोगों को कब निजात प्राप्त होगा ।यही समस्या रात दिन लोगों को परेशान कर रही है। दिन तो किसी प्रकार से कट जाता है लेकिन रात्रि के समय बिजली बाधित होने की वजह से गर्मी और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। जिससे रात्रि में भी लोग चैन से सो भी नहीं पाते शासन प्रशासन का ध्यान पुनः एक बार इस विषय पर आकृष्ट कराया जा रहा है कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो और लोग इस समस्या से निजात पा सके।

युवा एथलीट शेख जिशान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025

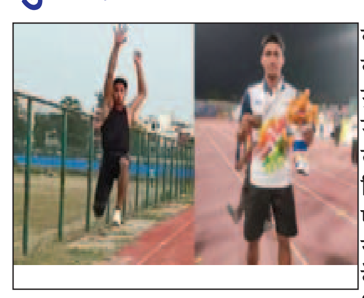

ट्रिपल जंप में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया है।

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के युवा एथलीट शेख जिशान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में ट्रिपल जंप में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया है। कुछ दिन पहले बिहार के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिशान ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे देश का ध्यान खींचा। वहीं शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी इस उपलब्धि की जमकर तारीफ की, जिसने वाराणसी के लिए गर्व का क्षण पैदा किया है। एक ऑटो चालक के बेटे की यह उपलब्धि शहर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

जिशान के पिता अमीनुद्दीन मुंबई में ऑटो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं, जबकि उनकी मां गृहिणी हैं। दो भाइयों और तीन बहनों के साथ आर्थिक तंगी का सामना करने के बावजूद जिशान ने अपने सपनों को उड़ान दी। गांव में खेलते हुए शुरू हुआ उनका एथलेटिक्स के प्रति जुनून उन्हें वाराणसी के डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम तक ले गया, जहां वे जुलाई 2022 से खेल विभाग उत्तर प्रदेश के एथलेटिक्स छात्रावास में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनके कोच डॉ. मंजूर आलम अंसारी ने उनकी प्रतिभा को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने 122वें 'मन की बात' कार्यक्रम में जिशान के रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स अकाउंट पर जिशान की उपलब्धि को उनके अथक परिश्रम, अनुशासन और संकल्पशक्ति का परिणाम बताया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 'खेलो इंडिया' का विजन उत्तर प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। जिशान की इस उपलब्धि ने वाराणसी को गौरवान्वित किया है और स्थानीय खेल समुदाय में नया उत्साह जगाया है।

रविवार की बीती रात चोरों ने किया नकदी समेत करीब 25 लाख रुपए के आभूषण चोरी

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)' कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तियरा गांव में रविवार की बीती रात्रि रामशरण यादव के घर के पीछे बांस के सहारे अज्ञात चोर घर में घुसे और कमरों में रखें अलमारी तथा बक्सों का ताला तोड़कर करीब 25 लाख रुपए की कीमती आभूषण सहित नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। वही जिसकी जानकारी पीड़ित परिजनों के द्वारा दी गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस तथा फॉरेंसिक टीम के द्वारा साक्ष्य संकलन किया गया ।चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भारी भीड़ जुट गई। परिजनों के द्वारा बताया गया कि कमरों में रखें बक्सों तथा अलमारी में लगभग 25 लाख रुपए कीमत के आभूषण व नक 'दी गायब है। इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाली पुलिस लिखित तहरीर आधार पर चोरी की घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

जौनपुर में सुख दुख में सम्मिलित हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने जनपद में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में सुख दुख में सम्मिलित हुए।

लखनऊ से चलकर बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के ज़िला उपाध्यक्ष महेंद्र यादव के यहां ग्राम बबुरा में उनकी सुपुत्री की शादी में पहुंचकर परिजनों से मिलकर आशीर्वाद एवं बधाई दिया ।तत्पश्चात विधानसभा क्षेत्र मछलीशहर में कटका बरईपार निवासी गुलाब पाल शिक्षक की पूज्य चाची के देहांत पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर मृतात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त किया ।इसके बाद सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने विधानसभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर अंतर्गत पूर्व विधायक/पूर्व जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव के पारिवारिक सहयोगी दिलीप यादव(मूसे) के निधन पर ग्राम बरहता पहुंचकर शवयात्रा में शामिल हो पार्थिव शरीर को कांधा दिया ।अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया ।तत्पश्चात मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्याम नारायण बिंद के विद्यालय पर क्षेत्रवासियों से मुलाकात किया ।इसके बाद सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल गृह जनपद प्रयागराज के लिए प्रस्थान कर गए। जनपद आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का बदलापुर पहुंचने पर बॉर्डर पर मछलीशहर विधानसभा में तथा मुंगराबादशाहपुर पहुंचने पर जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में विधानसभा अध्यक्ष गण ने कार्यकताओं के साथ बुके एवं फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया ।समस्त कार्यक्रमों में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के साथ मौजूद रहे ।इस अवसर पर सांसद बाबूसिंह कुशवाहा, विधायक लकी यादव, विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव पूर्व विधायक श्रीमती श्रद्धा यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री श्रीमती संगीता यादव, पूर्व प्रमुख रमापति यादव, प्रदेश सचिव राजेश विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव नन्हकू यादव, राजन यादव पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.अवधनाथ पाल, ज़िला महासचिव आरिफ हबीब, ज़िला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल, राजमूर्ति सरोज, उमाशंकर चौरसिया, महावीर यादव, सुक्खू राम यादव, राहुल त्रिपाठी, ज़िला सचिव गुलाब यादव, सुशील श्रीवास्तव, डॉ.अमरबहादुर यादव, राममनोरथ यादव, गाटर, संजय यादव, भानुप्रताप मौर्य, अशोक यादव नेता, प्रेमशंकर यादव, प्रवीण यादव, अशोक निषाद, राहुल यादव, आलोक त्रिपाठी लकी, संजय गौतम विधानसभा अध्यक्ष गण क्रमशः रामजतन यादव, राम अकबाल यादव, सूर्यभान यादव, रविन्द्र सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे ।उक्त आशय की जानकारी ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने दी है।